Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J – 0606

PAPER – III

HISTORY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

HISTORY

इतिहास

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : Read the passage given below and answer the question numbers 1 to 5. Each answer should not be in more than 30 words. Each question carries 5 (Five) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न संख्या (1) से (5) तक का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर में (30) से अधिक शब्द नही हों। प्रत्येक प्रश्न के (5) (पाँच) अंक हैं।

(5x5=25 अंक)

The eighteenth century in Indian history, particularly its first half, was unfortunate in that it was sandwiched between the political glory of the Great Mughals and the humiliation of colonial rule. Further, the British who wrote the first modern histories of India's past had their own interests in presenting a bleak portrayal of the period. A virtually uncritical acceptance of the British depiction is implicit in a number of modern writings on the eighteenth century. The fact that most contemporary Persian chroniclers have also projected the period as one of total chaos and failure not only suited the interest of the British writers but also lent strength to their interpretations. This factor still conditions our appreciation of the circumstances that led to the imperial decline and the ensuing developments in the regions. But we have to be on guard against the prejudices of these chroniclers, who, in most cases, were proteges of the nobles, the premier beneficiaries of the Mughal imperial structure. They suffered as the regions resisted imperial control and obtained some independence from Delhi. The decline of their fortunes has been portrayed in these chronicles as the decline and decay of the entire society. We may also bear in mind that the Mughal throne and the person of the emperor was central to their vision and the decline of the imperial edifice was tantamount to a total collapse of all society.

भारतीय इतिहास में अठारवीं शताब्दी विशेषतया पूर्वार्ध, इस तथ्य के कारण दुर्भाग्यपूर्ण है कि महान मुगलों के राजनीतिक वैभव और उपनिवेशवादी शासन की अवमानना के बीच अन्तर्निविष्ट है। इसके अतिरिक्त अंग्रेज जिन्होनें सर्वप्रथम भारत के अतीत से सम्बन्धित आधुनिक इतिहास की रचना की थी, उनका इस काल को बेरंग प्रस्तुत करने में अपना स्वार्थ निहित था। अठारवीं शताब्दी पर लिखी कई आधुनिक पुस्तकों में अंग्रेजों द्वारा प्रस्तुत चित्रण को बिना किसी समीक्षा के स्वीकार कर लिया गया है। यह तथ्य कि अधिकतर समकालिन फारसी इतिहास लेखकों ने इस काल का निरुपण अराजकता एवं असफलता के काल के रुप में किया है। यह चित्रण अंग्रेज लेखकों के हितों के अनुरुप ही न था, बल्कि उन की व्याख्या को भी इसने बल प्रदान किया। इसी कारण अभी तक उन परीस्थितियों जिनके कारण शाही शक्ति क्षीण हुई एवं जिस प्रकार से क्षेत्रीय विकास हुआ। इसे समझने की क्षमता को बाधित किया है। परन्तु हमें इन लेखकों के प्रति सजग रहना होगा। ये लेखक बहुधा उन अमीरों के संरक्षण में थे, जो शाही-तंत्र का मुख्य लाभ उठाने वालों में से थे। ज्योंहि लोगों ने शाही नियन्त्रण का प्रतिरोध किया और दिल्ली से कुछ स्वतन्त्रता प्राप्त करने में सफल हुए, उन्हें धक्का लगा। इनके भाग्य की अवन्नति का निरुपण इन पुस्तकों में पूर्ण समाज की अवन्नति और अधोगति के रूप में हुआ है। हमें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि उनके अवलोकन का केन्द्र बिन्दु मुगल शासन और इस शासन पर बैठे सम्राट का व्यक्तित्व था और उनके लिए शाही तंत्र का विध्वंस पूर्ण समाज का विध्वंस था।

1. Why the author has termed the Eighteenth Century in Indian history as unfortunate ?
लेखक द्वारा अठाहरवीं शताब्दी को भारतीय इतिहास की दुर्भाग्यशाली सदी क्यों कहा गया है?

2. How the British in their writings had projected the Eighteenth Century ?
अंग्रेजो ने अपने लेखनों में अठाहरवीं शताब्दी का किस प्रकार से निरूपण किया है?

3. What are the prejudices of the Persian Chroniclers about the Eighteenth Century ?
फारसी इतिहास लेखकों के अठाहरवीं शताब्दी के बारे में किस तरह के पूर्वाग्रह हैं?

4. According to the author who suffered as a result of the declining Mughal authority ?
लेखक के अनुसार ह्रासोन्मुख सत्ता के परिणाम स्वरुप किसको हानि पहुँची?

5. How the chroniclers perceived the decline of the central authority ?

फारसी इतिहास लेखकों ने केन्द्रिय सत्ता के पतन की किस प्रकार से परिकल्पना की है?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen 15 (fifteen) questions. All questions are compulsory. Each answered should not be in more than 30 (thirty) words. Each question carries 5 (five) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस भाग में 15 (पंद्रह) प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक उत्तर में 30 (तीस) से अधिक शब्द नहीं होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न (5) पाँच अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What do you understand by "Ayasa" of Vedic literature ?
वैदिक साहित्य के ''अयस्'' शब्द से आप क्या समझते हैं?

7. State the cardinal principle of Vajrayāna Sect.
वज्रयान मत के मुख्य सिद्धान्त बतलाइए।

8. Who were the "Ajivikas" ?
''आजीविक'' कौन थे?

9. What does the term "Vishti" connote ?
''विष्टि'' शब्द का क्या तात्पर्य है?

10. What is the technological significance of the Mehrauli Pillar ?
मेहरौली स्तँभ का तकनीकी महत्व क्या है?

11. Is there any difference between iqta and jagir ?
क्या इक्ता और जागीर में कोई अंतर है?

12. Bring out the changes Sher Shah brought in the methods of land revenue assessment.
शेरशाह द्वारा भूमि कर निधार्रण के तरीकों में किये गये परिर्वतन की जानकारी दें।

13. Who were termed as lashkar - i - dua by the Mughal emperor Jahangir ?
मुगल सम्राट जहाँगीर ने किनके लिये 'लश्कर-ए-दुआ' शब्द का प्रयोग किया था?

14. How, according to Bernier the system of transfer of jagirs affected the condition of peasantry ?

बनिर्यर के अनुसार जागीरों के स्थानान्तर की प्रथा ने किसानों की दशा को किस तरह से प्रभावित किया?

15. How did the dadni system operate in Mughal India ?

मुगल कालीन भारत में दादनी प्रथा किस प्रकार से संचालित की जाती थी?

16. Importance of civil services.

सिवल सेवाओं का महत्व।

17. Rural indebtedness

ग्रामीण ऋणभार।

18. Ideology of Swadeshi movement.
स्वदेशी आंदोलन की विचारधारा।

19. Significance of Commonwealth.
राष्ट्रमण्डल का महत्व।

20. Interdisciplinary approach
अन्तरअनुशासनीय दृष्टीकोण।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

21. Account for the decline of the Indus - Valley Civilization.
सिन्धु घाटी की सभ्यता के पतन के कारण बतलाइए।

22. Explain the factors responsible for the emergence of the second urbanization in India.
भारत के द्वित्तीय नागरीकरण के प्रादुर्भाव के आवश्यक तत्वों का वर्णन कीजिए।

23. Evaluate the significance of the works of Kautilya and Megasthenes as sources of Mauryan history.
कौटिल्य तथा मेगास्थनीज़ की कृतियों का मौर्य इतिहास के स्रोत के रुप में उनके महत्व का मूल्याँकन कीजिए।

24. Bring out the basic differences between the view points of Sankara and Ramanuja.
शंकर तथा रामानुज के विचारों में आधारभूत अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

25. Assess the literary achievements of the Gupta age.
गुप्त-काल के साहित्यिक उपलब्धियों का आकलन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

21. Discuss the functioning of the Iqta system under Sultan Muhammad Tughluq.
सुल्तान मुहम्मद तुगलक के शासनकाल में इक्ता प्रथा की परिचालन का विवरण दीजिये।

22. What were the main causes of friction between Vijayanagara and Bahmani kingdoms ?
विजय नगर और बह्मनी राज्य में मतभेद के क्या प्रमुख कारण थे?

23. Estimate the significance of regional sources for writing medieval Indian history.
मध्यकालीन भारत के इतिहास लेखन में क्षेत्रीय स्रोतों की महत्ता का मुल्यांकन कीजिये।

24. Critically examine the nature of Mughal engagements with the Central Asian powers.
मुगलों के मध्य एशियाई शक्तियों से संबंधों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

25. Estimate the development of architecture during Shah Jahan's period.
शाहजहाँ के शासन काल में हुए स्थापत्य कला के विकास का मुल्यांकन कीजिये।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

21. 'The system of sponsored Indian States, controlled but not administered was the one Clive had in mind for Bengal' (Percival Spear). Discuss
''उत्तरदायी भारतीय राज्यों की प्रथा जो कि नियन्त्रित हो पर प्रशासित नहीं हो, क्लाईव की बंगाल के बारे में धारणा थी'' (परसीवल स्पीर) विवेचना कीजिए।

22. Write a critical note on the agrarian policies of the British.
अंग्रेज सरकार की भूमि-सम्बन्धी नीति पर आलोचनात्मक टिप्पणी कीजिये।

23. Discuss the educational policy of the British in the 19th Century.
उन्नीसवीं सदी की ब्रिटिश सरकार की शिक्षा नीति की समीक्षा कीजिये।

24. 1857 revolt was neither the first nor the last against the British. Discuss.
'1857 का आंदोलन अंग्रेजों के खिलाफ न तो पहला न अंतिम था'। विवेचना कीजिये।

25. Was partition inevitable ?
क्या विभाजन अपरिहार्य था?

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one question of forty (40) marks to be answered in upto one thousand (1000) words.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में केवल एक प्रश्न चालीस (40) अंक का है जिसका उत्तर एक हजार (1000) शब्दों तक दीजिए।

(40x1=40 अंक)

26. Trace the origin and explain the growth of feudalism in ancient India.

प्राचीन भारत में सामंतवाद की उत्पत्ति की खोज़ कीजिये तथा उसके विकास को स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

Was the Eighteenth Century in India a country of decline or dynamism ?

भारत के इतिहास में अठाहरवीं शताब्दी पतन का युग था या गतिशीलता का प्रतीक?

OR / अथवा

Estimate the role of different ideological groups in the national movement.

राष्ट्रीय आंदोलन में विभिन्न विचारधाराओं वाले समूहों की भूमिका की समीक्षा कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....